## खास-खबरें

### मुख्यमंत्री ने सप्तपर्णी का पौधा लगाया

**भोपाल।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित राज्य पुरातत्व संग्रहालय के सामने स्मार्ट पार्क में सप्तपर्णी का पौधा लगाया। सप्तपर्णी एक सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इस औषधीय पौधे का उपयोग विभिन्न दवाओं के निर्माण में किया जाता है। यह दुर्बलता दूर करने, खुले घावों को ठीक करने तथा पीलिया तथा मलेरिया के उपचार में काम आता है। सप्तपर्णी (अल्स्टोनिया स्कोलैरिस) एक सदाबहार वृक्ष है।

### मंडली की आँगनवाड़ी और भुतेड़ा के स्कूल में पहुँचा नल से जल

**भोपाल।** प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में संचालित स्कूल और आँगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों और स्टॉफ को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन में नल कनेक्शन से जल की व्यवस्था की जा रही है। सभी जिलों में इन संस्थाओं की गणना के उपरांत नल कनेक्शन से जल पहुँचाने के कार्य किये जा रहे हैं, ताकि स्कूल और आँगनवाड़ी में आने वाले बच्चों को पेयजल की असुविधा नहीं हो। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा रतलाम जिले के ग्राम मंडली स्थित आदर्श आँगनवाड़ी केन्द्र और ग्राम भुतेड़ा के माध्यमिक विद्यालय में आधुनिक तरीके के प्लेटफार्म बनाकर नल कनेक्शन दिये गये हैं। अब इन संस्थाओं में आने वाले बच्चों को सुगमतापूर्वक शुद्ध पेयजल मिल रहा है।

### आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश के लिए संशोधित समय सारणी जारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश प्रक्रिया की संशोधित समय सारणी जारी की गई है। संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र धनराजू एस. ने बताया कि 20 सितंबर 2021 तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन और त्रुटि सुधार के लिए विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात अभिभावक 22 सितंबर 2021 तक पावती डाउनलोड और मूल दस्तावेजों का केंद्रों में सत्यापन करा सकेंगे। श्री धनराजू ने बताया कि 28 सितंबर 2021 को पारदर्शी रैंडम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी खोली जायेगी। ऑनलाइन लॉटरी से आवेदकों को स्कूल का आवंटन किया जायेगा और चयनित आवेदकों को एस.एम.एस. से भी सूचित किया जाएगा। लॉटरी में चयनित आवेदक 28 सितंबर से 8 अक्टूबर 2021 के बीच आवंटन पत्र डाउनलोड करके आवंटित स्कूल में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

### भोपाल दुग्ध संघ करेगा पीएनजी गैस का उपयोग

**भोपाल।** भोपाल दुग्ध संघ के डेयरी संयंत्र में एलपीजी गैस के स्थान पर अब पीएनजी (पाइप्ड प्राकृतिक गैस) का उपयोग किया जायेगा। एलपीजी की तुलना में पीएनजी गैस सस्ती होने के कारण भोपाल दुग्ध संघ को प्रतिमाह लगभग 10 लाख रुपये की बचत होगी। प्रबंध संचालक एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन शमीमुद्दीन ने बताया कि वर्तमान में भोपाल डेयरी संयंत्र में 47.5 किलोग्राम वजन के 1200 सिलेण्डर्स का उपयोग हर माह किया जाता है। भोपाल में वर्तमान में प्राकृतिक गैस भी उपलब्ध हो गई है। मेसर्स थिंक गैस प्रायवेट लिमिटेड को भोपाल में गैस प्रदाय के लिये लायसेंस दिया गया है। सप्लाई पाइप लाइन भोपाल डेयरी संयंत्र के करीब से ही निकली है। पीएनजी एक स्वच्छ ईंधन है और इसके उपयोग से प्रदूषण एवं खतरा न के बराबर होता है।

### इंदौर से नागपुर-अहमदाबाद के लिए फ्लाइट आज से

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के इंदौर से अच्छी खबर है। अब इंदौर की नागपुर और अहमदाबाद से डायरेक्ट एयर कनेक्टिविटी बढ़ गई है। दोनों शहरों के लिए सोमवार से इंडिगो एयरलाइंस नई फ्लाइट शुरू कर रही है। इंदौर से फ्लाइट सुबह 6.15 बजे नागपुर के लिए रवाना होगी और 9 बजे वापस आएगी। 9.30 बजे यही फ्लाइट इंदौर से अहमदाबाद जाएगी और 12 बजे वापस आएगी। इस फ्लाइट की नाइट पार्किंग इंदौर में ही होगी। इस विमान से पहले भी इंडिगो की ही दो फ्लाइट रात में इंदौर एयरपोर्ट पर पार्क होती हैं। बता दें, इंडिगो एयरलाइंस अगस्त से अब तक 10 से ज्यादा नई उड़ानें शुरू कर चुकी है। इस एयरलाइंस के अलावा अगले महीने से फ्लायबिग भी नई उड़ानें यहां से शुरू करेगी। आगे जाकर इंदौर से 30 नई उड़ानें शुरू होनी हैं। एयर इंडिया ने भी 1 सितंबर से इंदौर-दुबई के लिए फ्लाइट शुरू की है। इंदौर एयरपोर्ट के प्रभारी डायरेक्टर प्रबोध शर्मा ने बताया था कि एयर इंडिया की फ्लाइट ने दुबई के लिए बुकिंग करना शुरू कर दिया है। यह फ्लाइट सुबह 9.45 बजे बेंगलुरु से उड़ान भरकर 11.35 बजे इंदौर आती है। इसके बाद 12.35 बजे यहां से दुबई के लिए उड़ान भरती है। करीब 3.05 बजे वहां पहुंचती है। ये फ्लाइट शाम 4.05 बजे दुबई से 8.55 को इंदौर आकर 9.55 बजे बेंगलुरु के लिए रवाना होती है।

---

आज़ादी के अनजान नायिकाओं, नायकों की गाथाओं को जनमानस में पहुँचाएं

# राज्यपाल ने सशस्त्र सीमा बल की साइकिल रैली को हरी झंडी दिखा रवाना किया

**भोपाल (काप्र)।**

**राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सैनिक राष्ट्र का गौरव होते है। उनसे जनमानस को राष्ट्र की सेवा और संकल्प की प्रेरणा लेनी चाहियें। उन्होंने कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव को जन उत्सव के रूप में मनाया जायें। उन्होंने कहा कि सीमा बलों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों भाषा, वर्ग और समुदायों के बीच देश की आज़ादी के लिए अपना सब कुछ खपा देने वाले अनजान नायकों, नायिकाओं की गाथाओं को पहुँचायें।**

राज्यपाल श्री पटेल आज शौर्य स्मारक में सशस्त्र सीमा बल की साइकिल रैली शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शौर्य स्मारक भोपाल से प्रारम्भ साइकिल रैली राजघाट दिल्ली पर सम्पन्न होगी। राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक था। यहाँ तक्षशिला नालंदा जैसे ज्ञान के केन्द्र थे। जहाँ दुनिया भर के लोग ज्ञान प्राप्त करते थे। इतना समृद्ध था कि दूध दही की नदियाँ बह जाए। ऐसे वीर सेनानी थे जिनकी वीरता की दुनिया में मिसाल दी जाती थी। व्यापार करने आए अंग्रेजों ने लोगों की आपसी ईर्ष्या, फूट और भेदभाव का लाभ लेते हुए आपस में लड़वा कर सत्ता हड़प ली। उन्होंने कहा कि आज़ादी हमें कठिन संघर्ष के बाद मिली है। इसके लिए किए गए त्याग और बलिदान से आज़ादी के अमृत महोत्सव में युवा पीढ़ी को परिचित कराया जायें। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा में लगें सैनिक बलों के द्वारा आज़ादी के महोत्सव कार्यक्रमों के आयोजन लिए सराहना की। सशस्त्र सीमा बल अकादमी के निदेशक राजिन्द्र कुमार भूमला ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि साइकिल रैली करीब 865 किलोमीटर की यात्रा कर 2 अक्टूबर को राजघाट में सम्पन्न होगी। सशस्त्र सीमा बल के गठन के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भोपाल स्थित प्रशिक्षण अकादमी द्वारा सहायक कमांडेंट से लेकर उप महानिरीक्षक स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। श्री पटेल ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। शौर्य स्मारक आगमन पर राज्यपाल को सशस्त्र सीमा बल की सम्मान गारदद्वारा सलामी दी गई। सशस्त्र सीमा बल की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इंडो-तिब्बत-बॉर्डर पुलिस के महानिरीक्षक संजीव रैना, सशस्त्र सीमा बल के अधिकारी उनके परिजन भी मौजूद थे।

---

# डॉ. मिश्रा चिकित्सा जगत के आदर्श और प्रेरक व्यक्तित्व थे : चौहान

डॉ मिश्रा के निवास के सामने वाले मार्ग का नाम डॉ. एनपी मिश्रा मार्ग किया जाएगा

**भोपाल (काप्र)।**

**मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज शाम मानस भवन में स्व डॉ. एन.पी. मिश्रा की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ने स्व डॉ. मिश्रा की तस्वीर पर पुष्प माला चढ़ाई और कहा कि डॉ. मिश्रा चिकित्सा जगत के आदर्श और प्रेरक व्यक्तित्व थे। हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे। मध्य प्रदेश भी उनके योगदान को याद करता रहेगा।**

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सिविल लाइंस स्थित डॉ. मिश्रा ने निवास के सामने वाले मार्ग का नाम डॉ. एन पी मिश्रा मार्ग किया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि डॉ. मिश्रा ने जूनियर डॉक्टर्स को सदैव बारीकियां सिखाते समझाते हुए चिकित्सा जगत में सेवा का संदेश दिया। उनके बिना यह क्षेत्र अधूरा रहेगा। वे अध्ययन शील थे। पुस्तकें पढ़ना, उन्हें आत्मसात करना फिर जूनियर डॉक्टर्स को बताना, उनकी विशेषता थी। विदेशों में भी उनके शिष्य हैं। डॉ. मिश्रा ने विपरीत परिस्थितियों में भी उपचार कार्य के दायित्व को बखूबी निभाया । जब अस्पतालों में एक हजार रोगियों के लिए भी जगह न थी तब उन्होंने बिना घबराए दस-दस हजार रोगियों का बेहतर उपचार किया। चाहे गैस कांड के बाद की परिस्थितियां हों या कोरोना काल, हमेशा उन्होंने चिकित्सा जगत का मार्गदर्शन किया। वे अनेक चिकित्सक तैयार कर गए हैं, जो विभिन्न रोगों के उपचार का कार्य कुशलतापूर्वक कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गत डेढ़ वर्ष से कोरोना से जुड़े विभिन्न पक्षों पर उनकी डॉ. मिश्रा से चर्चा होती थी। उनके महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त होते थे। डॉ. मिश्रा मेडिकल कॉलेज में विभागाध्यक्ष, डीन आदि रहते हुए सदैव अपने कर्म में तल्लीन रहते थे। सेवानिवृत्त्त होने के बाद भी वे रोगियों के उपचार का काम बहुत गंभीरता से करते थे। वे रोगियों के परिजन को समझाने की दक्षता भी रखते थे। नए चिकित्सकों को प्रोत्साहित करते थे। वे अद्भुत थे, उन्होंने उम्र के आखिरी पड़ाव तक रोगियों के उपचार का कार्य किया। अंतिम दिवस भी आए हुए रोगियों को देखा।वे आत्मविश्वास से भरपूर थे। उनकी आंखों में एक आत्मविश्वास दिखाई देता था। कभी-कभी व्यंग्य विनोद भी करते थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रद्धांजलि सभा में डॉ.मिश्रा के बेटों मनोज, सुनील और विशाल से भी भेंट की और उनके पिता के साथ जुड़ी स्मृतियों का उल्लेख किया। श्रद्धांजलि सभा में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, शहर के अनेक चिकित्सक और नागरिक उपस्थित थे। स्व. डॉ. मिश्रा को अन्य वक्ताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। गत 5 सितम्बर को डॉ मिश्रा का निधन हुआ था।

---

# योगी आदित्यनाथ को मजबूत करेंगे शिवराज और ज्योतिरादित्य

**भोपाल (काप्र)।**

**मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी पूरे चुनावी मोड और मूड में है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पक्ष में प्रचार करने के लिए प्रदेश से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उमा भारती , केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और वीरेंद्र कुमार जैसे नेता जाएंगे। इन नेताओं को मिशन यूपी में जुटने का टारगेट दे दिया गया है।**

यूपी विधानसभा की ऐसी सीटें जो मध्य प्रदेश की सीमा से लगी हुई हैं, वहां असर रखने वाले प्रदेश के नेताओं की ड्यूटी लगाई जाएगी। इस मामले में शिवराज सरकार के मंत्री अरविंद भदौरिया ने कहा कि पार्टी ने यूपी के चुनाव में पहले भी मध्य प्रदेश के नेताओं को जिम्मेदारी दी थी। अब फिर जहां पार्टी ड्यूटी लगाई जाएगी, वहां पार्टी को मजबूत किया जाएगा। यूपी के चुनाव में प्रदेश के नेता असरदार साबित होंगे और भाजपा मजबूत होगी।

यूपी के चुनाव को लेकर बीजेपी को ग्वालियर, चंबल और बुंदेलखंड के बड़े नेताओं पर ज्यादा भरोसा है। यही कारण है कि 2019 के कांग्रेस के स्टार प्रचारक ज्योतिरादित्य सिंधिया को बीजेपी ने यूपी के लिए चुना है। जातिगत समीकरणों को साधने के लिए केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार के चेहरे का भी इस्तेमाल होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रचार के तौर तरीकों का भी पार्टी यूपी चुनाव में इस्तेमाल करेगी।, यूपी में 2017 के चुनाव में भी प्रदेश के नेताओं ने प्रभावी भूमिका निभाई थी। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कानपुर के अलावा बुंदेलखंड की कई सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया था। पार्टी की कोशिश है कि झांसी-आगरा बेल्ट की कई सीटों पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के चेहरे का इस्तेमाल किया जाए।

### एमपी कांग्रेस कर रही प्रियंका गांधी को मजबूत

कांग्रेस यूपी के चुनाव में प्रियंका गांधी को मजबूत करने की तैयारी में जुटी है। इसे लेकर कमलनाथ गोपनीय तरीके से बैठक कर रहे हैं। ग्वालियर-चंबल के कांग्रेस नेताओं को प्रियंका गांधी को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी दी जा रही है। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा है कि यूपी के चुनाव में प्रियंका गांधी पार्टी का चेहरा होंगी और उनके साथ पूरी कांग्रेस खड़ी नजर आएंगी।

---

# महिला रचनाकारों द्वारा सृजित होना, बुंदेली रामायन की विशेषता : मनोज श्रीवास्तव

**भोपाल (काप्र)।**

आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा हिंदी पखवाड़े के तहत आज बुंदेली रामायन का लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुष्पेंन्द्र पाल सिंह,प्रधान सम्पादक,मध्यप्रदेश माध्यम ने कहा कि रामायन के विभिन्न पात्रों का विद्वता एवं भावनाओं के साथ इस तरह उकेरा जाना कि जन जन में पैठ बना सकें, यही इस कृति की विशेषता है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, पूर्व अपर मुख्य सचिव, ने कहा कि इस रामायन की खासियत है इसका सभी महिला रचनाकारों के द्वारा सृजित होना, जिसके कारण इस रामायन में ऐसे महिला पात्रों पर भी रचनाऐं शामिल हैं जिन पर ज्यादा लोगों ने कलम नहीं चलाई। विशिष्ट अतिथि डॉ राजेश श्रीवास्तव, ने कहा कि बुंदेली संस्कृति की रीति रिवाजों का उल्लेख होना, इस कृति की विविधता है। डॉ मोहन तिवारी आनंद, अध्यक्ष, तुलसी मानस अकादमी ने कृति की समीक्षा करते हुए कहा कि छंदो की विविधता ही इस कृति की विशेषता है।

घनश्याम मैथिल अमृत, सचिव, लघुकथा शोध केन्द्र ने कहा कि बुंदेली बोली में इस कृति का सृजन होना, इस रामायन की विशेषता है एवं इससे अन्य लोगों को प्रेरणा मिलेगी कि वो भी इस तरह की कृतियों को रचें। पुस्तक की संपादक डॉ मीनू पाण्डेय नयन ने बताया कि यह कृति कोरोनाकाल जैसे विकट समय में आशा की किरण सिद्ध हुई। इसे डॉ मीनू पांडे सहित सात सखियों, डॉ रंजना शर्मा, डॉ कुंकुम गुप्ता, डॉ रेणु खरे, श्रीमती दुर्गा रानी श्रीवास्तव, श्रीमती श्यामा गुप्ता एवं श्रीमती हंसा श्रीवास्तव ने मिल कर बुंदेली बोली में रचा है।

---

**खास खबर** | मुख्यमंत्री 21 सितंबर को...

# 103 आंगनबाड़ी भवनों और 10 हजार पोषण वाटिका का लोकार्पण करेंगे

**भोपाल (काप्र)।**

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 20 वर्ष का कार्यकाल राज्य शासन द्वारा जनकल्याण और सुराज के 20 वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी श्रंखला में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 21 सितंबर को खण्डवा जिले में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 32 जिलों के 103 नवनिर्मित आंगनवाड़ी केन्द्रों के भवनों और 52 जिलों की 10 हजार पोषण वाटिका का वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से लोकार्पण करेंगे।**

मुख्यमंत्री श्री चौहान 22 जिलों के 10 हजार गंभीर कुपोषण से सामान्य पोषण स्तर में आये बच्चों की माताओं को पोषण अधिकार सूचना पत्र भी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना के अंतर्गत 25 हजार गर्भवती एवं धात्री माताओं को 5 करोड़ रूपये की मातृत्व सहायता राशि का वितरण करेंगे। श्री चौहान लाड़ली लक्ष्मी योजना में कक्षा 6वीं, 9वीं, 11वीं एवं कक्षा 12वीं की लगभग 75 हजार 961 बालिकाओं को 21 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति राशि का वितरण भी करेंगे।

प्रदेश में महिला-बाल विकास विभाग के अंतर्गत 84 हजार 465 आंगनबाड़ी केन्द्र एवं 12 हजार 670 मिनी आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं। इसमें 8 हजार 903 आंगनबाड़ी केन्द्र शहरी क्षेत्र में, 24004 आदिवासी क्षेत्र में तथा ग्रामीण क्षेत्र में 51 हजार 558 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं।

वर्तमान परिस्थितियों में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में सब्जियों और फलों की उपलब्धता विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिये चुनौती है। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि ऐसी परिस्थितियों में शासकीय संस्थाओं और आवश्यकता वाले परिवारों के स्तर पर आसानी से उगाये जा सकने वाले फल एवं सब्जियों को लगाते हुए पोषण वाटिका स्थापित की जाये। भारत सरकार द्वारा पोषण अभियान के अंतर्गत प्रदेश में स्थानीय परिवारों, समुदाय, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं अन्य शासकीय भवनों में पोषण वाटिका न्यूट्री गार्डन का निर्माण कर स्थानीय स्तर पर विविधता को बढ़ावा दिये जाने के निर्देश हैं। इसका प्रमुख उद्देश्य जो लगायें वही खायें-जो खायें वही लगायें है। इसके तहत प्रदेश में शासकीय भवनों एवं किराये के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में लगभग 42 हजार पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के घर तथा गाँव के अन्य स्थानों में 21 हजार पोषण वाटिका तैयार की गई हैं। पूरे प्रदेश में आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से कुल 63 हजार पोषण वाटिकाएँ निर्मित की गईं हैं। पोषण माह (हर वर्ष सितंबर माह को पोषण माह के रूप में मनाया जाता है।) के आयोजन के प्रथम सप्ताह में 10 हजार से ज्यादा पोषण वाटिका का निर्माण और 3 लाख से अधिक पौध-रोपण किया गया। भारत सरकार के कृषि उद्यानिकी मंत्रालय द्वारा पोस्ट ऑफिस के माध्यम से 66 आंगनबाड़ी केन्द्रों को सीड किट उपलब्ध कराये गये हैं।

जनकल्याण एवं सुराज के 20 वर्ष कार्यक्रम में प्रदेश के 10 हजार बच्चों की माताओं को पोषण सूचना-पत्र प्रदान किया जायेगा। यह बच्चे अधिक गंभीर कुपोषण की श्रेणी से सामान्य पोषण स्तर में परिवर्तित हुए हैं। प्रदेश में गंभीर कुपोषित बच्चों के संस्थागत एवं समुदाय आधारित उपचार एवं पोषण प्रबंधन के लिये सितंबर 2020 से मध्यम एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों के लिये समेकित पोषण प्रबंधन कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। इसके तहत योजना प्रारंभ से अब तक लगभग 24.54 लाख हितग्राहियों को 1055.01 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को मजदूरी की हानि की आंशिक क्षतिपूर्ति के रूप में नगद प्रोत्साहन प्रदान करना है, जिससे प्रथम बच्चे के प्रसव के पूर्व और बाद में उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके। योजना के तहत हितग्राही को 5 हजार रूपये की राशि 3 किश्तों में प्रदान की जाती है।

मध्यप्रदेश में बालिका जन्म के प्रति जनता में सकारात्मक सोच, लिंग अनुपात में सुधार, बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर, स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार और उनके अच्छे भविष्य की आधारशिला रखने के उद्देश्य से वर्ष 2007 में लाड़ली लक्ष्मी योजना लागू की गई थी। योजना अंतर्गत प्रदेश के मूल निवासी, गैर आयकर दाता माता-पिता से जन्मी बालिका को कक्षा 6वीं में प्रवेश पर 2 हजार रूपये, कक्षा 9वीं प्रवेश पर 4 हजार रूपये, कक्षा 11वीं 6 हजार रूपये और कक्षा 12वीं प्रवेश पर 6 हजार रूपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। बालिका की आयु 21 वर्ष होने पर, कक्षा 12वीं की परीक्षा में सम्मिलित होने एवं बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु से पूर्व न होने की शर्त पर एक लाख रूपये की अंतिम राशि का भुगतान किये जाने का प्रावधान है। योजना प्रारंभ से अब तक 39.91 लाख बालिकाओं को पंजीकृत किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक एक लाख 10 हजार 752 नवीन बालिकाओं का पंजीयन किया जा चुका है। वर्ष 2016-17 से अब तक 6 लाख 86 हजार 634 बालिकाओं को 164 करोड़ की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा चुकी है।